

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

डॉ. कांचन कैलास सहाणे : ग्रामीण परिवेश से दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बनाई पहचान

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



ग्रामीण परिवेश से पेशेवर पहचान तक का प्रेरक सफर

महाराष्ट्र के संगमनेर तालुका के ग्रामीण क्षेत्र वरवंडी से शुरू हुआ डॉ. कांचन कैलास सहाणे (शिंदे) का सफर शिक्षा के प्रति समर्पण, कठिन परिश्रम और आत्मनिर्भर बनने की दृढ़ इच्छा का उदाहरण है। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के उद्देश्य से उन्होंने निरंतर प्रयास किए और आज संगमनेर में स्थित अपने 'श्री साईनाथ डेंटल क्लिनिक' के माध्यम से मरीजों को दंत सेवाएँ प्रदान कर रही हैं।

उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि सही संस्कार, शिक्षा और परिवार का विश्वास किसी भी व्यक्ति को अपने सपनों की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकते हैं।

माता-पिता के संस्कारों ने रखी सफलता की नींव

डॉ. कांचन के माता-पिता दोनों प्राथमिक शिक्षक हैं। बचपन से ही उन्हें परिवार से अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत और मानवीय संवेदनाओं के संस्कार मिले। माता-पिता की नौकरी में होने वाले स्थानांतरण के कारण उनकी शिक्षा प्रभावित न हो, इस उद्देश्य से उन्हें पाँचवीं कक्षा में ही लोणी स्थित कन्या विद्यामंदिर के छात्रावास में रहना पड़ा।

कम उम्र में घर से दूर रहकर उन्होंने आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी निभाने के महत्त्व को समझा। यही अनुभव आगे चलकर उनके व्यक्तित्व और व्यावसायिक जीवन की मजबूत नींव बने।

शिक्षा और विशेष प्रशिक्षण से मजबूत हुई विशेषज्ञता

डॉ. कांचन ने प्रवरानगर स्थित पी. वी. पी. जूनियर कॉलेज से उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी की। इसके बाद संगमनेर के एस. एम. बी. टी. डेंटल कॉलेज से बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (BDS) की डिग्री प्राप्त की।

अपनी शैक्षणिक यात्रा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने मुंबई स्थित शासकीय दंत महाविद्यालय से इम्प्लांटोलॉजी विषय में फेलोशिप भी पूरी की। शिक्षा और प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान के आधार पर उन्होंने दंत चिकित्सा के क्षेत्र में अपने पेशेवर सफर को आगे बढ़ाया।

‘श्री साईनाथ डेंटल क्लिनिक’ के माध्यम से मरीजों की सेवा

अपनी शिक्षा और अनुभव के बल पर डॉ. कांचन ने स्वयं का दंत चिकित्सालय शुरू करने का सपना साकार किया। उनकी स्वतंत्र पहचान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए माता-पिता ने विवाह से पहले ही उन्हें अपना क्लिनिक स्थापित करने में सहयोग दिया। उनके इस विश्वास ने डॉ. कांचन को अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत करने का अवसर दिया।

वर्तमान में वे संगमनेर के ताजणे मळा, नवीन नगर रोड स्थित ‘श्री साईनाथ डेंटल क्लिनिक’ के माध्यम से मरीजों को दंत सेवाएँ प्रदान करती हैं। दाँतों के स्वास्थ्य, उचित उपचार और आवश्यक मार्गदर्शन के साथ-साथ मरीजों का विश्वास बनाए रखना भी उनके कार्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उनके अनुसार, दंत चिकित्सा केवल दाँतों की समस्याओं का उपचार करने तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दाँत और बेहतर मौखिक स्वास्थ्य व्यक्ति के आत्मविश्वास तथा जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करते हैं। इसलिए मरीजों को उपचार के साथ सही जानकारी और मार्गदर्शन देना भी आवश्यक है।

परिवार का सहयोग और जिम्मेदारियों के बीच संतुलन

विवाह के बाद भी डॉ. कांचन को अपने पति और ससुराल के सदस्यों का सहयोग मिलता रहा है। परिवार के समर्थन से वे व्यक्तिगत जीवन और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास कर रही हैं।

चार महीने की बेटी की माँ होने के साथ अपने व्यवसाय को निरंतर आगे बढ़ाना उनकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनकी कहानी उन महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपनी शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता को भी महत्व देना चाहती हैं।

बेटियों को अवसर देने का संदेश

डॉ. कांचन सहाणे की यात्रा केवल एक दंत चिकित्सक की व्यावसायिक सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और माता-पिता के विश्वास के महत्व को भी रेखांकित करती है।

उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि बेटियों को केवल सपने देखने के लिए प्रेरित करना पर्याप्त नहीं है; उन्हें उन सपनों को साकार करने के लिए आवश्यक अवसर, सहयोग और स्वतंत्रता देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

“बेटियों को केवल उड़ान भरना मत सिखाइए, उन्हें उड़ान भरने के लिए आसमान भी दीजिए!”

यह विचार डॉ. कांचन की जीवनयात्रा का सार प्रस्तुत करता है। अपने कार्य और संकल्प के माध्यम से वे शिक्षा, आत्मनिर्भरता और मरीजों की सेवा के मूल्यों को आगे बढ़ा रही हैं।

संपर्क जानकारी

श्री साईनाथ डेंटल क्लिनिक

- पता : ताजणे मळा, नवीन नगर रोड, संगमनेर, महाराष्ट्र
- मोबाइल : 9404204436
- ई-मेल : sahanekanchan12@gmail.com